Sem-II

History (Core-IV)

SANTOSH KUMAR YADAV
DEPARTMENT OF HISTORY

आधुनिक यूरोप का इतिहास

लघु उत्तरीय प्रश्न :-

(1) बिस्मार्क के विदेश नीति का संक्षेप में वर्णन करें।

1871 ई० के पश्चात बिस्मार्क की विदेश नीति का मुख्य आधार यह था कि यूरोप की राजनीति में फ्रांस को पूरी तरह से एकाकी रखना। चूँकि बिस्मार्क जानता था कि अगर फ्रांस शक्तिशाली हो गया तो वह जर्मनी को हराकर यूरोप में अपनी प्रतिष्ठा स्थापित करने का पूरा प्रयास करेगा। फ्रांस के इस मंशा को ध्यान में रखकर बिस्मार्क ने फ्रांस को मित्रविहीन करने का प्रयास किया। साथ ही साथ फ्रांस के पड़ोस के सारे राष्ट्रों को अपना मित्र बनाने का प्रयास किया।

फ्रांस के मन को ध्यान में रखकर बिस्मार्क ने अपने आपको 'संतुष्ट राज्य' घोषित कर दिया। साथ ही साथ बिस्मार्क ने राज्य विस्तार की नीति को भी त्याग दिया। जर्मनी अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए आस्ट्रिया, रूस, इंग्लैण्ड आदि यूरोपीय राष्ट्रों के साथ मित्रवत व्यवहार करना शुरु कर दिया जिसके कारण यूरोप की राजनीति में गुटबाजी होनी शुरु हो गई। बिस्मार्क जब तक जर्मनी का चांसलर रहा तब तक जर्मनी की स्थिति काफी मजबूत रही। लेकिन आगे चलकर यूरोप में गुटबाजी इतनी ज्यादा बढ़ गई कि वह प्रथम विश्वयुद्ध तक पहुँच गया।

Scanned by CamScanner

(2) जार अलेक्जेण्डर II को 'मुक्तिदाता जार' क्यों कहा जाता है?

जार अलेक्जेण्डर II 1855 ई० मे रूस का जार (शासक) बना। जिस समय उसने गद्दी संभाली- उस समय रूस की स्थिति अच्छी नहीं थी। ऐसे कठिन परिस्थिति में भी उसने अनेक सुधार किए। इन सुधारों में दास प्रथा का अंत सबसे महत्वपूर्ण सुधार था।

1860 ई० मे रूस की कुल जनसंख्या का आधा भाग अर्थात 5 करोड़ कृषि दास थे। इनमें 2 करोड़ राजकीय परिवार के अधीन थे और शेष पर कुलीनो अथवा चर्च का अधिकार था। राजकीय भूमि पर कार्य करने वाले दासो की स्थिति जमींदारों के अधीन दासो की अपेक्षा अधिक अच्छी थी। रूस के सुधारको का दावा था कि रूस की आधुनिक राष्ट्र के रूप में प्रगति तभी संभव है जबकि कृषि दासो की मुक्ति होगी। कृषि दासो मे भी मुक्ति की अभिलाषा प्रबल होती जा रही थी। अतः जार अलेक्जेण्डर ने ऐसे परिस्थिति मे दासो की ओर विशेष ध्यान दिया था। इसी उद्देश्य से 1861 ई० मे एक राजाज्ञा द्वारा कृषि दासता को समाप्त करने की घोषणा की गई। इस राजाज्ञा के अनुसार कृषि दासो को एक स्वतंत्र कृषक मानते हुए उन्हे उनके स्वामियों के बंधनो से मुक्त कर नागरिक अधिकार प्रदान किए गए। कृषि दासो की मुक्ति के कारण ही जार अलेक्जेण्डर II को "मुक्तिदाता जार" कहा जाता है।

Scanned by CamScanner

③ बर्लिन कांग्रेस (1878) का संक्षिप्त में वर्णन करें।

यूरोप के इतिहास में बर्लिन कांग्रेस का विशेष महत्व है। बर्लिन कांग्रेस का आयोजन 13 जून से 13 जुलाई 1878 ई० को जर्मनी के चांसलर बिस्मार्क की अध्यक्षता में की गई। वास्तव में बर्लिन कांग्रेस का आयोजन का मुख्य कारण टर्की पर अन्य यूरोपीय राष्ट्र खासकर रूस, ऑस्ट्रिया अपना प्रभाव जमाना चाहता था। वहीं इंग्लैण्ड टर्की पर किसी अन्य यूरोपीय राष्ट्र के प्रभाव को स्वीकार नहीं करता था। टर्की समस्या या पूर्वी समस्या को लेकर अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में पुनः तनाव उत्पन्न हो गया। ऐसे विकट परिस्थिति में जर्मनी ने आगे आकर बर्लिन कांग्रेस का आयोजन करना स्वीकार किया। साथ ही बिस्मार्क ने इस सम्मेलन में अपने आपको ईमानदार दलाल की भूमिका की बात कही।

इस बर्लिन कांग्रेस में रूस पर प्रतिबंध लगाए गए और सेन स्टीफेनो की संधि को रद्द कर दिया गया। वृहत्तर बलगेरिया को दो भागों में विभाजित कर दिया गया। वहीं दूसरी तरफ इस सम्मेलन के तहत ऑस्ट्रिया को अधिक अधिकार दिए गए। मान्टीनीग्रो को स्वतंत्र देश स्वीकार कर लिया गया।

इस प्रकार, बर्लिन कांग्रेस ने यूरोप में बढ़ते तनाव को कम कर दिया तथा टर्की का अस्तित्व बना रहा।

Scanned by CamScanner

बहुवैकल्पिक प्रश्न :-

DATE
PAGE

(1) बिस्मार्क का जन्म कब हुआ था ?

(A) 1 April, 1801 (B) 1 April, 1815 (C) 30 April, 1815 (D) इनमें कोई नहीं

(2) बर्लिन कांग्रेस का आयोजन कब हुई ?

(A) 1876 ई० (B) 1877 ई० (C) 1878 ई० (D) 1879 ई०

(3) दास प्रथा को समाप्त करने वाला रूसी जार कौन था ?

(A) अलेक्जेण्डर I (B) अलेक्जेण्डर II (C) निकोलस II (D) निकोलस III

(4) जार अलेक्जेण्डर II इतिहास मे "मुक्तिदाता जार" के नाम से प्रसिद्ध है -

(A) न्याय व्यवस्था के कारण (B) शैक्षिक सुधारों के कारण
(C) दास को मुक्ति प्रदान के कारण (D) आर्थिक सुधारों के कारण

(5) सैन स्टीफेनो की संधि किन-किन देशों के बीच हुई ?

(A) रूस - टर्की (B) टर्की - आस्ट्रिया (C) आस्ट्रिया - रूस
(D) टर्की - इटली

(6) बर्लिन कांग्रेस में किस शासक ने अपने आपको 'ईमानदार दलाल' की भूमिका की बात कही ?

(A) वेडिंगटन (B) बिस्मार्क (C) करचियोडली (D) बैसल हारले

(7) प्रथम विश्वयुद्ध कब से कब तक हुआ ?

(A) 1914 - 1918 (B) 1912 - 1916 (C) 1920-24 (D) इनमें से कोई नहीं

(8) पैरिस का शांति सम्मेलन आयोजित हुआ -

(A) 1918 ई० में (B) 1919 ई० में (C) 1920 ई० में (D) 1921 ई० में

Scanned by CamScanner

(9) एल्सेस लॉरेन क्षेत्र किस लिए प्रसिद्ध था?
(A) कृषि क्षेत्र (B) व्यापार क्षेत्र (C) खनिज क्षेत्र (D) इनमें कोई नहीं

(10) बिस्मार्क की विदेश नीति का प्रमुख उद्देश्य था—

(A) फ्रांस को एकाकी रखना (B) इंग्लैण्ड को एकाकी रखना
(C) रूस को एकाकी रखना (D) आस्ट्रिया को एकाकी रखना।

उत्तर :-

1 – B, 2 – C, 3 – B, 4 – C, 5 – A, 6 – B,
7 – A, 8 – B, 9 – C & 10 – A

Scanned by CamScanner